BIHAR FOUNDATION
Bonding • Branding • Business

बिहार सरकार

Phone: +91 612 2547371
E mail: pro@biharfoundation.in
https://biharfoundation.bihar.gov.in/

बिहार आज

(बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति)

दिनांक – 12.09.2020

6th Floor, Indira Bhawan, RCS Path, Patna - 800001

गौरव : उद्योग क्षेत्र के नवाचार मामले में बिहार देश में अव्वल

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

बिहार के उन युवाओं के लिए अच्छी खबर है, जिनके दिमाग में बिजनेस से जुड़ा कोई नया विचार पल रहा है। उद्योग क्षेत्र में नवाचार के मामले में बिहार पूरे देश में अव्वल रहा है। स्टार्टअप इंडिया की ओर से वर्ष 2019 के उद्योग से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में राज्यों की रैंकिंग केंद्र ने शुक्रवार को जारी की है। बिहारी युवाओं ने एक बार फिर यह साबित किया है कि नए और बेहतरीन विचारों के मामले में उनका कोई सानी नहीं है।

केंद्र सरकार ने सात अलग-अलग कैटेगरी में सूची जारी की है। इसमें नवाचार यानी इवोनेशन लीडर तैयार करने के मामले में बिहार पहले पायदान पर है। दूसरा नाम केरल और तीसरा महाराष्ट्र का है। खास बात यह भी है कि देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई वाला राज्य महाराष्ट्र इस सूची में बिहार से दो पायदान नीचे है।

उद्योग क्षेत्र में नए विचारों को मूर्त रूप देने के लिए बिहार ने 2016 में अपनी स्टार्टअप नीति लागू की थी। तब बिहार उन गिने-चुने राज्यों में से था जिन्होंने अपनी अलग स्टार्टअप नीति बनाई थी। सीएम नीतीश कुमार के निर्देश पर 2017 में इस नीति में कुछ बदलाव कर इसे और प्रभावी बनाया गया। स्टार्टअप के लिए सरकार अब औद्योगिक क्षेत्रों में जमीन देने की भी व्यवस्था करने जा रही है।

10 लाख देने वाला... पेज 11

उद्योग क्षेत्र में भी बिहार लीडर

केंद्र द्वारा सात कैटेगरी में जारी की गई राज्यों की रैंकिंग में बिहार का नाम दो श्रेणियों में पहले पायदान पर है। नवाचार के अलावा लीडर कैटेगरी में भी राज्य पहले पायदान पर है। इस कैटेगरी में बिहार के अलावा महाराष्ट्र, चंडीगढ़, ओडिशा और राजस्थान का नाम है।

"स्टार्टअप को लेकर बिहार सरकार बेहद संजीदा रही है। नवाचार के लिए सबसे पहले बिहार ने ही 10 लाख रुपये नए स्टार्टअप को देने की व्यवस्था की। सरकार और भी सुविधाएं देने जा रही है।

-डॉ. एस. सिद्धार्थ
प्रधान सचिव, उद्योग

हिन्दुस्तान । पृष्ठ स० – 1

विरासत

वैशाली से संबंधित है काबुल में रखा बुद्ध का भिक्षा पात्र

पुरातत्व

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

काबुल के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखे भगवान बुद्ध के भिक्षा पात्र को भारत खासकर बिहार लाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों की जांच-पड़ताल इस तथ्य की ओर इशारा भी करते हैं कि यह बिहार से संबंधित है। इसे वापस लाया जाना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि काबुल के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखे भिक्षा पात्र को वैशाली के लोगों ने भगवान बुद्ध को भेंट में दिया था। कुशीनगर में महापरिनिर्वाण के पहले भगवान बुद्ध जब वैशाली से जाने लगे तो याद के तौर पर भिक्षा पात्र यहां छोड़ गए थे।

काबुल के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखा भगवान बुद्ध का भिक्षा पात्र। ● हिन्दुस्तान

04	मीटर पवित्र भिक्षापात्र की है ऊंचाई
वजन	350-400 किलोग्राम
मोटाई	18 सेंटीमीटर
गोलाई	1.75 मीटर

जिस पत्थर से बना है पात्र वह केवल यूपी के चुनार में उपलब्ध

डॉ. मिश्र द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार यह जिस पत्थर का बना है वह अफगानिस्तान में मिलता ही नहीं है। यह पत्थर केवल यूपी के चुनार में उपलब्ध है। महाराष्ट्र स्थित अजंता की गुफा नंबर 17 में भी भगवान बुद्ध को उस पात्र के साथ दिखाया गया है। इसके अलावा पात्र पर कमल की 24 पंखुड़ियां बनी हैं, जो यह प्रमाणित करती हैं कि यह बौद्ध काल का मौलिक पात्र है। चीनी यात्री फाह्यान और ह्वेनसांग के यात्रावृतांत में भिक्षापात्र का जिक्र है। दावा है कि पात्र पर ब्राह्मी लिपि में उससे संबंधित जानकारियां लिखी हुई हैं। भगवान बुद्ध से संबंधित पात्र होने का साक्ष्य मिटाने के लिए इसकी चार लाइनों को परसियन में कर इसे किसी राजा का पात्र बताया गया है। लेकिन पांचवीं लाइन को मिटाया नहीं जा सकता है और यह ब्राह्मी लिपि में ही है।

आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के पहले महानिदेशक ए. कनिंघम की वर्ष 1883 में लिखी पुस्तक में भिक्षा पात्र के जैसे ही काबुल के पात्र का वर्णन है। ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार, दूसरी शताब्दी में राजा कनिष्क इसे पुरषपुर (वर्तमान में पेशावर) ले गए थे। इसके बाद इसे गंधार (कंधार) ले जाया गया। फिर 20वीं शताब्दी में इसे काबुल के म्यूजियम में रखा गया।

जिस पत्थर से बना, वह केवल यूपी के चुनार में ही मिलता है : इस भिक्षा पात्र की मौलिकता की जांच के लिए ऑर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) ने अपने तत्कालीन रीजनल डायरेक्टर डॉ. फणिकांत मिश्रा को 2014 में काबुल भेजा था। डॉ. मिश्रा ने 15 दिनों तक काबुल के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखे भिक्षा पात्र का अध्ययन किया। अध्ययन के अनुसार यह वही मूल कटोरा था जो राजा कनिष्क द्वारा वैशाली से चौथी बौद्ध परिषद के दौरान पेशावर ले जाया गया था। डॉ. मिश्रा ने वहां से लौटकर अपनी रिपोर्ट भी सौंपी दी। हालांकि तब इस रिपोर्ट पर चुप्पी साध ली गई थी। लेकिन अब जब पूर्व केंद्रीय मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह ने इसे वापस लाने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पहल करने का आग्रह किया है, यह एक बार फिर चर्चा में है। राज्य सरकार ने डॉ. मिश्र से उनकी रिपोर्ट मांगी है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा सके।

हिन्दुस्तान । पृष्ठ स० – 4

आज ऊर्जा मंत्री आरके सिंह एनटीपीसी के सामुदायिक केंद्रों का करेंगे उद्घाटन

संवाददाता, पटना

ऊर्जा एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री आरके सिंह एनटीपीसी द्वारा विकसित सामुदायिक केंद्रों का शनिवार को उद्घाटन करेंगे. सूबे में एनटीपीसी बाढ़ (1320 मेगावाट) और एनटीपीसी की दो पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां नबीनगर (एनचीजीसीएल, 660 मेगावाट) और कांति (केबीयूएनआई, 610 मेगावाट) में इस इलाके के लोगों के लाभ और उत्थान के लिए विकसित की गयी दो सामुदायिक केंद्रों का उद्घाटन किया जायेगा. साथ ही नबीनगर, औरंगाबाद में तीन किमी लंबी मेह-इंद्रपुरी बैराज रोड का भी उद्घाटन करेंगे. उद्घाटन समारोह में सांसद राजीव रंजन सिंह, सुशील कुमार सिंह, महाबली सिंह, वीणा देवी, विधायक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह, वीरेन्द्र कुमार सिंह, अशोक कुमार चौधरी, कंपनी के सीएमडी गुरदीप सिंह आदि मौजूद रहेंगे. वहीं, सीएम साइंस कॉलेज, दरभंगा में आर्यभट्ट पुरूष छात्रावास भवन का निर्माण महारत्न कंपनी पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा 7.5 करोड़ की लागत से किया जा रहा है. इसका शिलान्यास केंद्रीय विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री आर के सिंह के द्वारा वर्चुअल माध्यम से शनिवार को करेंगे.

प्रभात खबर । पृष्ठ स० – 2

बिहार फाउंडेशन की टीम प्रशंसा की हकदार : अवधेश

ऑक्सीजन सिलिंडर बैंक का उद्घाटन करते अवधेश नारायण सिंह.

पटना. कोविड मरीजों के इलाज के लिए बिहार फाउंडेशन की तरफ से चलाये जा रहे राहत कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा है कि ऑक्सीजन सिलिंडर का बैंक बेहद उपयोगी साबित होगा. उन्होंने यह बात शुक्रवार को बिहार विधान परिषद के सभागार में आयोजित ऑक्सीजन सिलेंडर बैंक के उद्घाटन करने के दौरान कही. उन्होंने कहा कि लॉक डाउन के दौरान पूरे देश में फंसे तमाम मजदूरों को भोजन और इलाज का प्रबंध करने में बिहार फाउंडेशन ने विशेष भूमिका निभायी है. बताया कि बिहार फाउंडेशन सेवा में लगातार रचनात्मक भूमिका निभा रहा है. कार्यक्रम की शुरुआत में बिहार फाउंडेशन के विशेष कार्य पदाधिकारी अशोक कुमार सिन्हा ने कार्यकारी सभापति एवं सचिव को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया. सिन्हा ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि कोविड मरीजों के इलाज की मुहिम में कई संस्थानों के सहयोग से कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं. इसी कड़ी में दो सौ ऑक्सीजन सिलेंडरका सहयोग मिला है. ये ऑक्सीजन सिलेंडर कोविड मरीजों को चिकित्सक की सलाह पर आवंटित किये जा रहे हैं. फाउंडेशन को कोविड की जांच के लिए माइक्रो सॉफ्ट के माध्यम से मशीनें भी उपलब्ध करायी जा रही हैं. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बिहार फाउंडेशन के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी रवि शंकर श्रीवास्तव ने गौरव राय का जिक्र करते हुए कहा कि वे सिलेंडर मैन के रूप में जाने जाते हैं.

प्रभात खबर । पृष्ठ स० – 5

सिक्यूरिटी चेक एरिया का उद्घाटन आज करेंगे मंत्री

संवाददाता, पटना

उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी शनिवार को एयरपोर्ट टर्मिनल के नये सिक्यूरिटी चेक एरिया का उद्घाटन करेंगे. इसके साथ ही वे दरभंगा और देवघर में बन रहे

एयरपोर्ट का मुआयना भी करेंगे. सुबह 8:50 बजे हरदीप सिंह पुरी की फ्लाइट पटना पहुंचेगी और यहां से 9:30 बजे वे दरभंगा और फिर वहां से देवघर के लिए निकलेंगे. दोपहर दो बजे हरदीप पटना पहुंचेंगे और 3:45 बजे से 4:15 बजे तक वे पटना एयरपोर्ट पर नये टर्मिनल भवन के निर्माण स्थल का निरीक्षण करेंगे. उसके बाद मीडिया को संबोधित करेंगे और शाम 4:30 बजे एयरपोर्ट के वर्तमान टर्मिनल भवन के विस्तारित क्षेत्र और नये सिक्यूरिटी चेक एरिया का उद्घाटन करेंगे. शाम 4:35 बजे हरदीप वापस दिल्ली लौट जायेंगे. सात लाख से बढ़कर 25 लाख हुई यात्री क्षमता टर्मिनल एक्सटेंशन के अंतर्गत पटना एयरपोर्ट पर पैसेंजर एरिया का काफी विस्तार किया गया है. इसकी क्षमता अब सात लाख यात्रियों से बढ़ कर 25 लाख यात्री सालाना हो गयी है. सबसे अधिक वृद्धि सिक्यूरिटी होल्ड एरिया में की गयी है. इसमें लगभग 2000 वर्ग मीटर का अतिरिक्त क्षेत्र जोड़ा गया है. इस प्रकार अब यह लगभग दोगुना हो गया है. चेक इन काउंटर अब 16 से बढ़ कर 20 हो गये हैं. रजिस्टर्ड बैगेज और हैड बैगेज की जांच करने वाली एक्स-रे मशीनों की संख्या भी तीन से बढ़ कर पांच हो गयी है. टर्मिनल एक्सटेंशन के साथ ही इसमें प्रवेश के लिए नया इंट्री प्वाइंट भी बनाया गया है. चार नये फ्रिक्सिंग बूथ बने हैं जिनमें दो सामान्य और दो महिला बूथ शामिल हैं. यात्रियों की सुविधा के लिए फ्लाइट इन्फॉर्मेशन डिसप्ले की जगह भी बदल दी गयी है और पुराने की जगह नये डिसप्ले लगाये गये हैं. अक्तूबर-नवंबर तक शुरू होगी दरभंगा से उड़ान एयरपोर्ट ऑथोरिटी रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के अंतर्गत दरभंगा में वायुसेना के एयरबेस पर 92 करोड़ की लागत से 1400 वर्गमीटर क्षेत्र में सिविल एनक्लेव का निर्माण कर रही है जो कि अब अपने अंतिम चरण में है. यहां छह चेकइन काउंटरो वाला टर्मिनल भवन बनाया जा रहा है.

प्रभात खबर । पृष्ठ स० – 5

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

क्र०स०	विदेश अवस्थित चैप्टर
1	कतर
2	जापान
3	यू०ए०ई०
4	बहरीन
5	कनाडा
6	ऑस्ट्रेलिया
7	दक्षिण कोरिया
8	हॉग कॉग
9	सिंगापुर
10	न्यूजीलैंड
11	यू०एस०ए०
12	सऊदी अरब

क्र०स०	देश अवस्थित चैप्टर
1	मुम्बई
2	चेन्नई
3	कोलकाता
4	हैदराबाद
5	नागपुर
6	वाराणसी
7	पुणे
8	गुजरात
9	गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउंडेशन से जुड़ें

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है. वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें:- https://biharfoundation.bihar.gov.in.